लिम्का बुक में दर्ज हुआ भारत का सबसे बड़ा हॉल

आबू रोड, 5 फरवरी, निसं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शान्तिवन में बिना स्तम्भ के 20 हजार क्षमता वाले डायमण्ड जुबिली हॉल को भारत के सबसे बड़े हॉल के रूप में लिम्का बुका ऑफ रिकार्ड-2009 में दर्ज किया गया है।

इस विशालकाय डायमण्ड हॉल का निर्माण प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा 14 साल पूर्व तीन करोड़ की लागत से 31 दिसम्बर, 1996 में बनकर तैयार हुआ। इस हॉल में 46 दरवाजे तथा 22 भाषाओं में अनुवाद की आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। इसका क्षेत्रफल 8,988 वर्ग मीटर है। इसकी लम्बाई 137 मीटर तथा चौड़ाई 65.5 मीटर है। इस बड़े हॉल में कोई भी स्तम्भ नहीं है जो सबके लिए कौतूहल का विषय बना रहता है। इसमें लाईट तथा साउण्ड की पूरी व्यवस्था की गयी है। हॉल में होने वाले कार्यक्रमों को बैठे लोग सुगमतापूर्वक देख सके इसके लिए विजुअल विभाग द्वारा 18 फीट लम्बे तथा 16 फीट चौड़े मोटेराइज्ड 4 स्क्रीन लगाया गया है। विशाल सभागार में होने वाले कार्यक्रमों को देश-विदेश में प्रसारित करने के लिए विश्वस्तरीय ट्रांसमिशन की भी सुविधा है। इसमें हवाओं के आदान-प्रदान की पूरी व्यवस्था है। इसका निर्माण पूरी वैज्ञानिक तरीके से किया गया है। जिससे आगे से पीछे के लोग आसानी से पूरे कार्यक्रम को देख सकें। हॉल में बैठने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए प्रवेश द्वार को नम्बरिंग किया गया है। बैठने की प्रक्रिया को सहजता से प्रबन्ध किया जा सके।

इस डायमंड हॉल में पूरे वर्ष में सैकड़ों आध्यात्मिक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित होते है। जिससे लाखों लोग इसमें भाग लेकर कार्यक्रमों का लाभ लेते हैं।